B.M.A College Baheri, Darbhanga (L.N.M.U)
BA (Part-1) Hons पेपर-II

Manoj Kumar Jha
Deptt of - Pol-Sci

तिलक जी के सामाजिक, धार्मिक तथा राजनीतिक विचार।

* तिलक जी के धार्मिक विचार :→ तिलक जी पूर्ण धार्मिक प्रवृत्ति के महापुरुष थे। उनका लिखा ग्रन्थ "गीता रहस्य" इस बात का प्रमाण है कि आदि जगत गुरु शंकराचार्य के समान उन्होंने वेद, शास्त्रों एवं उपनिषदों का गहन अध्ययन किया था और उन्होंने इस पुस्तक के रूप में अपने धार्मिक ज्ञान लेखबद्ध किया।

तिलक जी संस्कृत भाषा के प्रकाण्ड पण्डित थे और वेदों का उन्होंने गहन अध्ययन किया था। वे अद्वैतवादी थे और आत्मा को पूर्ण एवं सर्वोच्च मानते थे। उन्होंने पाश्चात्य भौतिकवाद में आस्था रखने वाली जनता को पुनः अध्यात्म की ओर आकर्षित किया।

तिलक जी स्वधर्म का पालन करना, प्रत्येक हिन्दु पर वे रूढ़िवादी, कुप्रथाओं एवं भारतीयों में फैले अन्धविश्वास का घोर विरोध करते थे।

तिलक जी वेदों की महत्ता को स्वीकार करते थे और कहते थे कि - एक शक्तिशाली हिन्दु राष्ट्र की स्थापना में वेद, स्मृति एवं पुराणों के अध्ययन से योग मिलेगा।

तिलक जी के सामाजिक विचार :→ तिलक जी भारत के गौरवपूर्ण अतीत में श्रद्धा रखते थे। वे वर्ण-व्यवस्था, वर्णक्रम धर्म तथा सामाजिक

संस्कारों में आस्था रखते थे।

तिलक जी ने 1891 में पास होने वाले 'सहमति बिल' का कड़ा विरोध किया। इस बिल के अनुसार लड़की के विवाह की आयु 12 वर्ष बनायी गयी थी। जबकि तिलक उसे 14 वर्ष रखना चाहते थे, लड़की के रजस्वला होने से पूर्व उसका विवाह कर देना उचित नहीं मानते थे।

तिलक जी केवल बाल विवाह के ही विरोधी न थे बल्कि विधवा विवाह निषेध का भी विरोध करते थे। वे छुआ-छूत, ऊँच-नीच एवं जाति-पाँति के भी विरोधी थे, वे शूद्रों एवं अछूतों को भी सम्मिलित किया करते थे।

तिलक जी के राजनीतिक विचार :— तिलक जी का राजदर्शन प्राचीन भारतीय राजदर्शन से प्रभावित था। वे राजनीति को धर्म मुक्त नहीं मानते थे। उनका कहना था कि राजा अथवा शासक का मुख्य ध्येय जनता की भलाई करना होता है, इसलिए राजनीतिक धर्म सम्मत होनी चाहिए। हम अपनी संस्थाओं का अंग्रेजीकरण करके सामाजिक एवं राजनीतिक सुधारों के नाम पर अराष्ट्रीयकरण नहीं करना चाहते थे।

तिलक जी पर गीता का बहुत प्रभाव पड़ा था। गीता में दिये "निष्काम कर्म" के वे पक्षपाती थे। कर्म योग के आधार पर ही राजनीतिक विचार रखे हुए थे, उनका कहना था कि "तुम्हें कर्म करना चाहिये, फल की इच्छा नहीं करनी चाहिये।"

Scanned with CamScanner